न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (प्रथम), जोधपुर
पीठासीन अधिकारी श्री मदनलाल नेहरा, आर.ए.एस.

एफ एस प्रकरण संख्या 01/2022

प्रार्थी
सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जोधपुर।

बनाम

अप्रार्थी
लादूराम पटेल पुत्र बस्तीराम पटेल, फर्म मैसर्स श्री राजेश्वर मिष्ठान भण्डार, होटल मूमल हैरिटेज शिकारपुरा, तहसील लूणी, जिला जोधपुर। निवासी – शिकारपुरा रोड़, ग्राम लूणी, तहसील लूणी, जोधपुर।

उपस्थिति
1. अधिवक्ता श्री हरिसिंह कच्छावाह (अप्रार्थी)

–:आदेश :– दिनांक :– 05.08.2022

प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत परिवाद के अनुसार दिनांक 01.02.2022 को रजनीश शर्मा बाहैसियत खाद्य सुरक्षा अद्यिकारी गश्त चैंकिग फर्म मैसर्स श्री राजेश्वर मिष्ठान भण्डार, होटल मूमल हैरिटेज के पास, शिकारपुरा रोड़, तहसील लूणी, जिला जोधपुर पर पहुंचा व अपना परिचय दिया, परिचय पत्र दिखाया, इस समय दुकान पर विक्रेता एंव मालिक की हैसियत से लाूदराम पटेल पुत्र बस्तीराम पटेल, निवासी शिकारपुरा, तहसील लूणी, जिला जोधपुर उपस्थित मिले। आम जनता को विक्रय हेतु किराणा सामान, मावा व रसगल्ला दुकान में था। इसका निरीक्षण करने पर मिलावट/अमानक स्तर का होने के शक पर रूबरू गवाह के सामने विक्रेता को रूपये 350/– नगद देकर 1 किलोग्राम मावा खरीदा तथा रूपयों की रसीद प्राप्त की। जिस पर मेरे, विक्रेता व गवाह के हस्ताक्षर हैं, जिसकी असल प्रति सलंग्न है।

विक्रेता व गवाह के सामने उक्त मावा को 4 प्लास्टिक की बोतल में डालकर चार लेबल तैयार किये जिस पर डी.ओ.कोड व सीरियल नम्बर एम–2770 खाद्य पदार्थ का विवरण एंव नमुना लेने का स्थान एवं दिनांक अंकित की गई। मैने, गवाह व विक्रेता ने लेबल पर हस्ताक्षर किये। चारों नमूनों पर उपरोक्त लेबल चिपकाया। इन चारों नमूनों को अलग अलग भूरे कागज से लपेटा एवं कागज के दोनों किनारों को गोंद से चिपकाया, चार पेपर स्लिप एम–2770 हस्ताक्षर युक्त अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थय अधिकारी, जोधपुर के नियमानुसार प्रत्येक नमूनें पर सिर से होते हुए नीचें पेदें तक गोंद से चिपकाई चारों नमूनों को अलग–अलग मोटे मजबूत धागे से बांधा एवं धागे की गांठ लगाई प्रत्येक नमुना पर नियमानुसार चार–चार सील चपडी की लगाई एक नमूनें के सिर पर एक पेदें पर एक बॉडी पर एवं एक धागे की गांठ पर लगाई एवं चारों नमूनों पर अपने हस्ताक्षर किये व विक्रेता के नियमानुसार आधे स्लिप से होते हुए आधे रेपिंग पेपर पर क्रोस करवाते हुये हस्ताक्षर करवाये गवाह के [illegible] करवाये तथा चारों नमूनों को सीलबन्द अवस्था में अपने कब्जे मे किया मौका फर्द मौके पर तैयार किया पढ़कर पढाकर समझाकर होश

Signature Not Verified
Digitally signed by Madan Lal Nehra
Date: 2023.01.16 16:22:55 IST
Reason: SelfAttested

हवास में मैने, गवाह व विक्रेता ने हस्ताक्षर किये। जिस सील से नमूना एम–2770 सील चपडी किया उसका मोनोग्राम मौके पर ही मौका फर्द पर अंकित किया। उपरोक्त समस्त कार्यवाही मैने स्वयं गवाह व विक्रेता के सामने मौके पर ही की असल मौका फर्द सलंग्न है।

कार्यालय पंहुच कर फार्म नम्बर 6 की प्रतिया तैयार की गयी जिन पर खाद्य विश्लेषक, जोधपुर का पता अंकित किया गया एंव जिस सील से नमूना सिल्ड किया गया उसका सील इम्प्रेशन अंकित किया गया। फार्म नम्बर 6 की एक–एक प्रति प्रत्येक नमूना भाग के साथ रखकर नमूनो को पुनः आउटर कवर मे लपेट कर मोटे धागे से बान्धकर नियमानुसार सिल चपडी से सिल्ड किया गया। फार्म नम्बर 6 की दो प्रतिया अलग से एक लिफाफे मे रखकर सिल चपडी से सिल्ड किया एंव उस पर खाद्य विश्लेषक, जोधपुर का पता अंकित किया गया उक्त एक सिल्ड नमूना एंव सिल्ड लिफाफा स्वंय के द्वारा दिनांक 02.02.2022 को खाद्य विश्लेषक खाद्य सुरक्षा एंव मानक प्रयोगशाला जोधपुर को वास्ते जांच जमा करवाकर रसीदे प्राप्त की जो अलग–अलग असल सलंग्न है।

एम–2770 नमूने के द्वितीय, तृतीय भाग अभिहित अधिकारी जोधपुर को दिनांक 01.02.2022 को एंव चतुर्थ भाग दिनांक 01.02.2022 को जमा कराये गये जिनकी प्राप्ती रसीद दोनो अलग–अलग मूल सलंग्न हैं।

अभिहित अधिकारी जोधपुर के पत्र क्रमांक 169–170 दिनांक 24.02.2022 के साथ संलग्न खाद्य विश्लेषक खाद्य सुरक्षा एंव मानक प्रयोगशाला जोधपुर की मूल जांच रिपोर्ट एल. एस. 365/एक्ट/2022/367 दिनांक 17.02.2022 के अनुसार उक्त खाद्य पदार्थ मावा का नमूना निर्धारित मानक कोटि का नहीं होने के कारण अमानक स्तर (Sub Standard/Does not conform) होना पाया गया, अग्रेषण पत्र मय जांच रिर्पोटे सलंग्न है।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थी की ओर से अधिवक्ता श्री हरिसिंह कच्छावाह ने वकालतनामा तथा लिखित जवाब पेश किया। अप्रार्थी ने लिखित में जवाब पेश कर कथन किया कि मेरे द्वारा मावा में किसी प्रकार की कोई मिलावट नहीं कि गई तथा नियमानुसार मावा में 30 प्रतिशत फैट होना चाहिए जिसमें 18.56 प्रतिशत फैट पाया गया जो कि प्राकृतिक है जिसमें अप्रार्थी द्वारा किसी प्रकार की मिलावट नहीं की गई। यदि अप्रार्थी द्वारा कृत्य अपराध की श्रेणी में आता है तो उस पर न्यूनतम जुर्माना अधिरोपित कर अपराध का शमन करवाने की कृपा करावें।

हमने प्रकरण में प्रार्थी विभागीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुख्या चिकित्सा एवं स्वास्थय अधिकारी जोधपुर द्वारा प्रस्तुत परिवाद का अध्ययन किया तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तुत जवाब पर मनन किया। इस प्रकरण में यह तथ्यात्मक स्थिति है कि अप्रार्थी की फर्म से खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जांच हेतु मावा का सैम्पल लिया गया। उक्त सैम्पल की जांच रिपोर्ट एल. एस. 365/एक्ट/2022/367 दिनांक 17.02.2022 को उक्त खाद्य पदार्थ मावा का नमूना निर्धारित मानक कोटि का नहीं होने के कारण अमानक स्तर (Sub Standard/Does not

Signature Not Verified
Digitally signed by Madan Lal Nehra
Date: 2023.01.16 16:22:55 IST
Reason: SelfAttested

conform) होना पाया गया। उक्त प्रकरण में उक्त खाद्य पदार्थ का विक्रय या वितरण करके अप्रार्थी ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2 (ii) का उल्लंघन किया है जो धारा 51 के अर्न्तगत जुर्माने योग्य अपराध है। अधिनियम की मंशा अनुरूप लोक स्वास्थय की सुरक्षा को सुनिश्चित करना इस न्यायालय का उद्देश्य है।

आदेश

अप्रार्थी लादूराम पटेल पुत्र बस्तीराम पटेल पर शास्ती रूपये 5000/– अक्षरे रूपये पांच हजार रूपये की आरोपित की जाती है। अप्राथी उपरोक्त शास्ती राशि निर्णय के एक माह के अंदर–अंदर निर्धारित मद में जमा करवाकर रसीद प्रस्तुत करें।

निर्णय आज दिनांक 05.08.2022 को खुले न्यायालय में लिखवाया जाकर सुनाया गया।

(मदनलाल नेहरा)
न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एंव
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (प्रथम) जोधपुर।

प्रतिलिपीः– निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः–
क्रमांकः कोर्ट/एडीएम(प्रथम)/2022/ दिनांक :–
प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः–

1. खाद्य सुरक्षा आयुक्त एवं निदेशक (जन स्वास्थ्य) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाऐं, राज0, जयपुर।
2. अभिहित अधिकारी(खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जोधपुर।
3. लादूराम पटेल पुत्र बस्तीराम पटेल, फर्म मैसर्स श्री राजेश्वर मिष्ठान भण्डार, होटल मूमल हैरिटेज शिकारपुरा, तहसील लूणी, जिला जोधपुर। निवासी – शिकारपुरा रोड़, ग्राम लूणी, तहसील लूणी, जिला जोधपुर।

(मदनलाल नेहरा)
न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एंव
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (प्रथम) जोधपुर।

Signature Not Verified

Digitally signed by Madan Lal Nehra
Date: 2023.01.16 16:22:55 IST
Reason: SelfAttested